रेत के खूनी सिंडिकेट की भेंट चढ़ा एक और मासूम

शहडोल में रफ्तार के तांडव ने छीनी गरीब का चिराग

सबूत मिटाने ट्रॉली गायब, नेताओं की शह पर पुलिस मौन











10 हजार की रोज एंट्री का खौफनाक दबाव

अंधाधुंध ट्रिप के जानलेवा खेल में ट्रैक्टर पेड़ से टकराया

शहडोल। जिले में अवैध रेत का काला कारोबार अब सिर्फ नदियों का सीना नहीं चीर रहा, बल्कि मासूमों और बेकसूर इंसानों की जिंदगियों को सीधे लील रहा है। सत्ता, हफ्ता और रसूख के जानलेवा त्रिकोण में पिघलती कानून-व्यवस्था का ताजा खौफनाक मंजर जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के कौआसराई में सोनू ढाबा के समीप देखने को मिला। यहां अवैध रेत के अवैध परिवहन में लगे एक अनियंत्रित, बेकाबू ट्रैक्टर ने पेड़ से इतनी भीषण टक्कर मारी कि युवा चालक अविनाश उर्फ आकाश बैगा ने मौके पर ही तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। इस घटना ने एक बार फिर पूरे क्षेत्र को दहला कर रख दिया है। हादसे की खबर मिलते ही इलाके में भारी जन-आक्रोश और हडक़ंप व्याप्त हो गया, वहीं मृतक के असहाय परिजनों और चश्मदीदों ने चीख-चीखकर पुलिस-प्रशासन और सत्ताधारी दल के कथित संरक्षणदाताओं के उस नापाक गठजोड़ को सामने ला दिया है, जिसकी वजह से शहडोल का यह इलाका माफिया की चारागाह बन चुका है।

रोजाना 10 हजार की एंट्री का खूनी खेल

स्थानीय सूत्रों और ग्रामीणों से छनकर आई हकीकत रोंगटे खड़े कर देने वाली है। बताया जा रहा है कि जिले में दौड़ रहे अवैध रेत के हर ट्रैक्टर पर जिम्मेदार विभागों और रसूखदारों के नाम पर प्रतिदिन लगभग 10,000 की अघोषित वसूली का खेल बदस्तूर जारी है। इस भारी-भरकम कमीशन की भरपाई करने और मोटा मुनाफा ऐंठने के लिए वाहन मालिक गरीब ड्राइवरों पर दिन-रात का फर्क मिटाकर ज्यादा से ज्यादा ट्रिप मारने का अमानवीय दबाव बनाते हैं। माफिया द्वारा तय किए गए इसी खूनी टारगेट को पूरा करने की अंधी दौड़ में चालक अविनाश देर रात काल बनकर दौड़ते ट्रैक्टर को दौड़ा रहा था। नींद की झपकी, तेज रफ्तार और घटिया सडक़ के बीच वाहन बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गया। परिणाम यह हुआ कि एक गरीब परिवार का चिराग हमेशा-हमेशा के लिए बुझ गया और माफिया तंत्र ने एक और मजदूर की बलि ले ली।

जैक लगाकर खोला टायर, रातों-रात गायब कर दी ट्रॉली

दुर्घटना के बाद कानून को ठेंगा दिखाने का जो बेशर्म खेल शुरू हुआ, उसने प्रशासनिक इकबाल की धज्जियां उड़ाकर रख दीं। मृतक के पिता, परिजनों और साथ काम करने वाले प्रत्यक्षदर्शी मजदूरों का सीधे तौर पर संगीन आरोप है कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर का सीधा संचालन सत्ताधारी भाजपा की नेता के दामाद सूरज कचेर द्वारा कराया जा रहा था। जैसे ही हादसे में चालक की मौत की खबर फैली, तस्करों और रसूखदारों के तंत्र ने मामले को दबाने और आपराधिक सबूत मिटाने की नंगी साजिश रच डाली। चश्मदीदों के मुताबिक, दुर्घटनास्थल पर प्रशासनिक अमले के पहुंचने से पहले ही जैक लगाकर ट्रैक्टर का टायर निकाला गया और रेत से ओवरलोड भरी ट्रॉली को रातों-रात गायब कर दिया गया ताकि अवैध उत्खनन और परिवहन का कोई पुख्ता साक्ष्य मौके पर न बचे। आरोप है कि अपने राजनीतिक रसूख और खाकी के ऊंचे संपर्कों के दम पर पूरे मामले में लीपापोती करने, एफआईआर को हल्का करने और पीड़ित परिवार पर दबाव बनाकर समझौते की कोशिशें पर्दे के पीछे से जारी हैं। यही कारण है कि घटना के घंटों बीत जाने के बाद भी फरार वाहन मालिक की गिरेबां तक कानून के हाथ नहीं पहुंच सके हैं।

पटवारी की हत्या, एएसआई की शहादत और नायब तहसीलदार पर हमला

रेत माफिया के बुलंद हौसलों और प्रशासन के लचर रवैये की यह कोई पहली बानगी नहीं है। शहडोल जिला गवाह है कि जब-जब कानून ने अपना काम करने की थोड़ी भी हिम्मत दिखाई है, तब-तब माफिया ने खूनी प्रतिक्रिया दी है। ब्यौहारी पटवारी हत्याकांडः अवैध उत्खनन रोकने गए पटवारी को ट्रैक्टर से कुचलकर मौत के घाट उतार दिया गया था। एएसआई की शहादतः माफिया की गाडिय़ों को रोकने के प्रयास में पुलिस के एक कर्तव्यनिष्ठ सहायक उपनिरीक्षक को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। नायब तहसीलदार की गाड़ी पर हमलाः अभी हाल ही में बुढ़वा में अवैध रेत का पीछा कर रहीं नायब तहसीलदार की शासकीय गाड़ी को बेखौफ ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी थी, जिसमें वे बाल-बाल बची थीं। एक के बाद एक हो रही इन रूह कंपाने वाली घटनाओं के बावजूद जिला प्रशासन और पुलिस महकमा सिर्फ कागजी खानापूर्ति और खोखले आश्वासनों तक सिमट कर रह गया है।

...तो रसूख के आगे घुटने टेकेगी पुलिस

घटना के बाद पुलिस ने पारंपरिक ढर्रे पर मामला जांच में लेने की बात कही है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या पुलिस निष्पक्षता से साक्ष्यों से छेड़छाड़ की धाराओं को जोड़ते हुए असली दोषियों, राजनीतिक सरपरस्तों और वाहन मालिक को सलाखों के पीछे भेजेगी या फिर हर बार की तरह इस बार भी एक गरीब बैगा आदिवासी युवक की मौत को सडक़ हादसा बनाकर फाइलों की धूल में दफना दिया जाएगा? जनता अब खोखली जांच नहीं, बल्कि इस खूनी सिंडिकेट पर बुलडोजर जैसी कड़ी और मिसाली कार्रवाई की मांग कर रही है। देखने वाली बात होगी कि शहडोल पुलिस-प्रशासन अपनी साख बचाता है या फिर सत्ता की धौंस के आगे घुटने टेक देता है।

इनका कहना है...

एक ट्रैक्टर चालक की पेड़ से टकराने से मौत हो गई है, जिस पर मर्ग कायम कर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

अजय कुमार बैगा
थाना प्रभारी
जयसिंहनगर

छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर उत्तर पूर्व भारतीय संघ की बैठक संपन्न

15 एवं 16 नवंबर को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा छठ महापर्व



शहडोल। सूर्य उपासना एवं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के आयोजन की तैयारियों को लेकर उत्तर पूर्व भारतीय संघ की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी 15 एवं 16 नवंबर 2026 को छठ महापर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मोहनराम तालाब, बड़ी भीट तालाब (बलपुरवा) एवं मुडऩा नदी स्थित छठ पूजा स्थलों पर आवश्यक तैयारियों, घाटों की साफ-सफाई तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर चर्चा की गई। संघ के पदाधिकारियों ने आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं को समय पर सुनिश्चित करने और श्रद्धालुओं को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया। छठ महापर्व सूर्य देव एवं छठी मैया की आराधना का प्रमुख पर्व है, जो आस्था, पवित्रता, अनुशासन और सामाजिक एकता का संदेश देता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सूर्य देव को अघ्र्य अर्पित करते हैं।

श्रद्धालुओं से विशेष अपील

उत्तर पूर्व भारतीय संघ ने समस्त श्रद्धालुओं एवं नागरिकों से अपील की है कि वे छठ महापर्व के दौरान घाटों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें तथा पूजा स्थलों पर निर्धारित व्यवस्थाओं और सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। घाटों एवं जलाशयों में प्लास्टिक, कचरा अथवा पूजन सामग्री इधर-उधर न फेंकें, बल्कि निर्धारित स्थानों पर ही डालें। पूजा के दौरान अनुशासन बनाए रखें, बच्चों एवं बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें तथा जलाशयों में उतरते समय सावधानी बरतें। संघ ने सभी श्रद्धालुओं से आपसी सहयोग, सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने का आग्रह करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग से ही छठ महापर्व को गरिमामय, स्वच्छ एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया जा सकता है। बैठक में उत्तर पूर्व भारतीय संघ के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी ने छठ महापर्व के सफल आयोजन के लिए मिलकर कार्य करने और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की।

होटल सिटी स्टार में थिरकीं प्रतिभाएं-व्हाट्सएप प्रैक्टिस से गरबा नाइट बनी सुपर-हिट





शहडोल। संस्कार और संस्कृति के संगम के साथ नारी शक्ति का अनोखा उत्साह शहर के न्यू बस स्टैंड स्थित होटल सिटी स्टार में देखने को मिला। अवसर था नव जागृति महिला समिति द्वारा आयोजित भव्य गरबा महोत्सव का। इस सांस्कृतिक संध्या ने न सिर्फ डांडिया की खनक से पूरे माहौल को भक्तिमय कर दिया, बल्कि डिजिटल दौर में आयोजन के नए मापदंड भी स्थापित किए।

दीप प्रज्ज्वलन से हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का औपचारिक आगाज़ समिति की अध्यक्ष श्रीमती माधुरी पाठक, सचिव ज्योति गुप्ता तथा कोषाध्यक्ष मोनिका महोबिया सहित कार्यकारिणी सदस्य प्रेरणा श्रीवास्तव, रानी गुप्ता और ज्योति मिश्रा द्वारा मां जगदम्बा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

डिजिटल माध्यम से सीखीं ताले

जिले के इतिहास में यह अपनी तरह का पहला अनूठा प्रयास रहा, जहां प्रतिभागियों को रोज़ाना घंटों रिहर्सल के लिए आने का झंझट नहीं उठाना पड़ा। आयोजकों ने व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से ऑडियो ट्रैक्स साझा किए, जिन पर महिलाओं और बालिकाओं ने घर पर ही अभ्यास किया। इस अभिनव पहल ने उन कामकाजी महिलाओं और गृहिणियों के लिए एक बेहतरीन मंच तैयार किया, जो समय की कमी के कारण अपनी प्रतिभा नहीं दिखा पाती थीं।

तीन वर्गों में प्रतियोगिता, प्रतीक डांस एरेना ने बाँधा समां

समारोह को तीन प्रमुख आयु वर्गों—बालिका वर्ग (5 से 10 वर्ष), अविवाहित युवती वर्ग एवं विवाहित महिला वर्ग में बांटा गया था। पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी महिलाओं और बालिकाओं ने जब डांडिया हाथों में थामकर ताल से ताल मिलाई, तो दर्शक दीर्घा तालियों की गडग़ड़ाहट से गूंज उठी। कार्यक्रम में प्रतीक डांस एरेना के नन्हें कलाकारों ने अपनी मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। इस अवसर पर बच्चों के मेंटॉर एवं डांस गुरु प्रतीक गुप्ता को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का मंच संचालन ज्योति मिश्रा एवं मोनिका महोबिया ने अपने चिर-परिचित ओजस्वी अंदाज़ में किया।

ये बनीं डांडिया नाइट्स की गरबा क्वीन

कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच तीनों वर्गों से विजेताओं का चयन किया गया।

बालिका वर्ग (10 वर्ष से कम): शांभवी मिश्रा

युवती वर्ग (अविवाहित): व्याख्या शुक्ला, महिला वर्ग (विवाहित): अन्नू रावत

तीनों श्रेणियों की विजेताओं को समिति द्वारा आकर्षक शील्ड और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में समिति की वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन के साथ-साथ प्रेरणा श्रीवास्तव, रानी गुप्ता और ज्योति मिश्रा का विशेष योगदान रहा। रंग-बिरंगे परिधानों, असीम उत्साह और मां अम्बे की भक्ति के साथ यह गरिमामय आयोजन देर रात सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नायब तहसीलदार की गाड़ी को मारी टक्कर

लाइव वीडियो वायरल होने के बाद चालक और मालिक गिरफ्तार

शहडोल।



जिले में अवैध रेत के काले कारोबारियों के हौसले किस कदर बुलंद हो चुके हैं, इसकी एक बानगी बुढ़वा क्षेत्र में देखने को मिली। अवैध परिवहन पर लगाम कसने निकलीं नायब तहसीलदार की शासकीय गाड़ी को रेत से लदे एक ट्रैक्टर ने टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। इस सनसनीखेज घटना का लाइव वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन में हडक़ंप मच गया था। पुलिस ने अब कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर के चालक और मालिक दोनों को दबोच लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, बुढ़वा क्षेत्र में नायब तहसीलदार अवैध रेत ले जा रहे एक ट्रैक्टर का पीछा कर रही थीं। कार्रवाई से घबराए चालक ने बीच सडक़ पर ट्रैक्टर रोककर ना सिर्फ हंगामा किया, बल्कि ट्रॉली का पिछला हिस्सा भी खोल दिया। इस दौरान अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने नायब तहसीलदार के शासकीय वाहन को टक्कर मार दी, जिससे गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत यह रही कि अधिकारी इस हादसे में बाल-बाल बच गईं। घटना के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए देवलोंद थाने में तुरंत प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस ने ताबड़तोड़ दबिश देते हुए मुख्य आरोपी और ट्रैक्टर चालक प्रकाश उर्फ सत्यम बैस तथा वाहन मालिक कृष्णपाल बैस दोनों निवासी बुढ़वा-2 थाना देवलोंद को गिरफ्तार कर लिया है। इस दुस्साहसिक घटना ने एक बार फिर जिले में प्रशासनिक अधिकारियों की सुरक्षा और रेत माफिया के खौफ पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पहले ब्यौहारी क्षेत्र में अवैध रेत रोकने के दौरान एक पटवारी और एक पुलिस एएसआई जान गंवा चुके हैं। ऐसे में अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई जा रही है।

15 साल के हाथी को जमीन में दफनाया तो साथियों ने दी नम आंखों से विदाई

शहडोल। अपनों को खोने का दर्द सिर्फ इंसानों के सीने में नहीं होता, बल्कि बेजुबान कहे जाने वाले विशालकाय वन्यजीव भी इस गम को गहराई से महसूस करते हैं। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के ब्यौहारी वन परिक्षेत्र से एक ऐसा ही झकझोर देने वाला और बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है। यहां करंट लगने से जान गंवाने वाले 15 साल के एक नर हाथी को जब दफनाया गया, तो उसके अपने ही झुंड ने उसकी कब्र पर पहुंचकर जिस तरह का व्यवहार किया, उसने देखने वालों की आँखें नम कर दीं।

घटना पश्चिम ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक पीएफ-77 (बीट चचाई) के अंतर्गत ग्राम चंदौली की है। यहाँ खेत के पास बने बोरवेल के नजदीक अचानक करंट की चपेट में आने से 15 वर्षीय एक नर मकना हाथी की दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना के बाद वन विभाग ने नियमानुसार पूरी संवेदनशीलता के साथ हाथी के शव को उसी क्षेत्र में जमीन में दफना दिया था। अमले को लगा कि मामला यहीं शांत हो गया, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने सबको हैरान कर दिया। शव दफनाए जाने के बाद उस मृत हाथी का पूरा झुंड बार-बार उसी स्थान पर लौट आया, जहां उनके साथी को सुपुर्द-ए-खाक किया गया था। हाथियों का यह दल उस स्थान पर आकर काफी देर तक खड़ा रहा और एक अजीब सा सन्नाटा व ठहराव उस पूरे इलाके में छा गया। वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय लोगों का मानना है कि यह और कुछ नहीं, बल्कि अपने साथी के प्रति उनका अनूठा प्रेम, गहरा भावनात्मक जुड़ाव और अंतिम विदाई देने का तरीका था।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर वन मंडलाधिकारी तरुणा वर्मा ने बताया कि हाथियों का बुनियादी स्वभाव बेहद सामाजिक होता है। वे इंसानों की तरह ही अपने झुंड के सदस्यों के साथ गहरे रिश्ते साझा करते हैं। डीएफओ ने कहा जिस तरह मनुष्य किसी अपने की मृत्यु के बाद शोक व्यक्त करते हैं, शोक सभाओं में शामिल होते हैं, ठीक



उसी तरह हाथियों में भी ऐसा सामाजिक व्यवहार देखने को मिलता है। हाथियों में एन्सेस्ट्रल मेमोरी यानी पूर्वजों और पुराने साथियों से जुड़ी स्मृतियों की अद्भुत ताकत होती है। भले ही इसे वैज्ञानिक रूप से सीधे तौर पर शोक सभा न कहा जाए, लेकिन यह दृश्य उनके आपसी जुड़ाव की बेहद संवेदनशील तस्वीर जरूर पेश करता है।

चंदौली की इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जंगल की दुनिया केवल जीने और संघर्ष करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ भी प्यार, रिश्ते और संवेदनाएं जिंदा हैं। जिस दिन हाथी की मौत हुई, उस दिन भी झुंड ने वहाँ पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी और अगले दिन भी उनका उसी स्थान पर लौटना इस बात की गवाही देता है कि हाथियों की याददाश्त और उनका पारिवारिक बंधन कितना मजबूत होता है। ब्यौहारी की इस घटना ने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि इन बेजुबानों की दुनिया भी इंसानों जितनी ही गहरी और जज्बातों से भरी होती है।

कन्या भोज खाने जा रही 8 साल की बच्ची से सरेराह छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

शहडोल।

एक तरफ जहां पूरा देश नवरात्रि के पावन पर्व पर बेटियों को देवी का स्वरूप मानकर कन्या पूजन कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ शहडोल के अमलाई थाना क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। कन्या भोज में शामिल होने अपनी दादी के घर जा रही कक्षा चौथी की 8 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ एक शराबी युवक ने सरेराह छेड़छाड़ की कोशिश की। बच्ची की सूझबूझ और राहगीरों की तत्परता से आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, मासूम बच्ची नवरात्रि के अवसर पर कन्या भोज के लिए अपनी दादी के घर पैदल जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में बाइक सवार राकेश भारती नामक युवक ने उसे अकेला देखकर रुकवाया और हाथ से गंदे इशारे करते हुए पास बुलाने लगा। आरोपी की संदिग्ध नियत भांपकर मासूम घबराने की बजाय तुरंत वहां से भागी और सडक़ से गुजर रहे राहगीरों को आपबीती बताई।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर मौजूद लोगों



ने डायल-112 और अमलाई पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर आरोपी राकेश भारती को मौके से हिरासत में ले लिया। वहीं, सहमी हुई बच्ची जब दादी के घर पहुंची और परिजनों को पूरी बात बताई, तो वे बच्ची को लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 78, 79 और पॉक्सो एक्ट की धारा 11/12 के तहत अपराध पंजीकृत कर लिया है।

इनका कहना है...

मामले में आरोपी शराबी हालत में बच्ची को देखकर अश्लील इशारे कर रहा था। राहगीरों की सूचना पर तत्काल पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

डॉ. संजय कुमार अग्रवाल
पुलिस अधीक्षक, शहडोल

21 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक चलेगा वित्तीय समावेशन अभियान

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशानुसार जिले में 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक वित्तीय समावेशन अभियान चलाया जाएगा। भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग के अंतर्गत संचालित इस अभियान के तहत जिले की समस्त ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक ने जिले के सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को शिविरों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शिविरों में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न बैंकिंग योजनाओं एवं वित्तीय सेवाओं की जानकारी देने के साथ उन्हें योजनाओं से जोडऩे तथा लंबित प्रकरणों का निराकरण करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। अभियान का उद्देश्य आमजन को बैंकिंग सेवाओं के प्रति जागरूक करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है। इससे जिले के अधिक से अधिक नागरिक वित्तीय सेवाओं से जुडक़र शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

रेत का अवैध परिवहन करते दो ट्रेक्टर जब्त



अवैध उत्खनन के विरुद्ध कार्यवाही जारी

उमरिया। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम बडेरी में रेत के अवैध उतखनन के विरुद्ध जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुए रेत से भरे दो ट्रेक्टर जब्त किये हैं, कार्यवाही में एस डी एम अम्बिकेश प्रताप सिंह, प्रभारी तहसीलदार दिलीप सोनी सहित खनिज विभाग से एनएस आर्मो की टीम उपस्थित रही। उल्लेखनीय है कि डेंगराहा नदी घाट से रेत का अवैध उतखनन एवं परिवहन की शिकायत पर कार्यवाही करते हुए ट्रेक्टर को जप्त कर भरौली थाना में सुपुर्द किया गया है।

दसवीं शताब्दी से आस्था का केंद्र है पाली की मां बिरासिनी

स्वप्न में मिले संकेत के बाद हुई थी प्रतिमा की स्थापना

कल्चुरी कालीन काले पत्थर की प्रतिमा

राजा बीरसिंह द्वारा मंदिर निर्माण की मान्यता और वर्ष 1989 में शुरू हुआ जीर्णोद्धार

चैत्र एवं शारदीय नवरात्र में उमड़ते हैं श्रद्धालु







उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली में विराजित मां बिरासिनी देवी का मंदिर क्षेत्र की प्राचीन धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों में विशेष स्थान रखता है। मां बिरासिनी को मां काली एवं आदिशक्ति के स्वरूप में पूजा जाता है। मंदिर में विराजित प्राचीन प्रतिमा, उससे जुड़ी लोकमान्यताएं और नवरात्र के दौरान होने वाले धार्मिक अनुष्ठान इस धाम को श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बनाते हैं।

मां बिरासिनी मंदिर की स्थापना से जुड़ी एक प्रचलित लोककथा के अनुसार, सैकड़ों वर्ष पहले पाली निवासी धौकल नामक व्यक्ति को माता ने स्वप्न में दर्शन दिए थे। मान्यता है कि माता ने उन्हें बताया कि उनकी प्रतिमा एक खेत में है और उसे निकालकर उचित स्थान पर स्थापित किया जाए। इसके बाद धौकल ने संबंधित स्थान पर खुदाई कराई, जहां से माता की प्रतिमा प्राप्त होने की बात कही जाती है। उन्होंने प्रतिमा को एक छोटी-सी मढिया में स्थापित कर पूजा-अर्चना प्रारंभ की। समय के साथ माता के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था बढ़ती गई। स्थानीय मान्यता के अनुसार, बाद में नगर के राजा बीरसिंह ने यहां मंदिर का निर्माण करवाया। इस प्रकार एक छोटे पूजा स्थल से विकसित होकर यह मंदिर क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल हो गया। यह विवरण लोकपरंपरा और धार्मिक मान्यताओं पर आधारित है।

कल्चुरी कालीन मानी जाती है मां बिरासिनी की प्रतिमा

मंदिर में स्थापित मां बिरासिनी की प्रतिमा को इतिहासकारों एवं स्थानीय जानकारों के हवाले से कल्चुरी काल की माना जाता है। विभिन्न प्रकाशित विवरणों में इसका काल लगभग दसवीं शताब्दी बताया गया है। काले पत्थर से निर्मित माता की प्रतिमा अपने विशिष्ट स्वरूप के लिए जानी जाती है। प्रतिमा की एक विशेषता यह बताई जाती है कि मां काली के स्वरूप में होने के बावजूद माता की जीभ बाहर निकली हुई नहीं है। मंदिर के गर्भगृह में माता के समीप भगवान हरिहर की प्रतिमा भी विराजमान है। भगवान हरिहर को भगवान शिव और भगवान विष्णु के संयुक्त स्वरूप के रूप में पूजा जाता है। मंदिर परिसर में अन्य देवी-देवताओं के भी पूजा स्थल हैं।

वर्ष 1989 में शुरू हुआ मंदिर का जीर्णोद्धार

समय के साथ प्राचीन मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से इसके जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ किया गया। उपलब्ध प्रकाशित विवरणों के अनुसार, 23 नवंबर 1989 को जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के मार्गदर्शन एवं सान्निध्य में जीर्णोद्धार कार्य की शुरुआत हुई थी। स्थानीय नागरिकों, कोयला क्षेत्र के प्रबंधन तथा दानदाताओं के सहयोग से लगभग 27 लाख रुपये की लागत से मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। मंदिर का वास्तुचित्र वास्तुकार विनायक हरिदास, एनबीसीसी नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध कराया गया था। इसके बाद 22 अप्रैल 1999 को जगद्गुरु शंकराचार्य पुरी पीठ के स्वामी निश्चलानंद सरस्वती के सान्निध्य में मंदिर के लोकार्पण एवं प्रतिष्ठा संबंधी कार्यक्रम संपन्न होने का उल्लेख मिलता है।

नवरात्र में विशेष पूजा, ज्योति कलश और जवारा कलश की स्थापना

मां बिरासिनी मंदिर में चौत्र और शारदीय नवरात्र का विशेष धार्मिक महत्व है। इन अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती, विशेष श्रृंगार तथा ज्योति कलश और जवारा कलश की स्थापना की जाती है। महाष्टमी के अवसर पर अठवाईं अर्पित करने की भी परंपरा प्रचलित है। श्रद्धालु माता के चरणों में पूजा सामग्री अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करते हैं। नवरात्र के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण रहता है और दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

धार्मिक आस्था के साथ ऐतिहासिक धरोहर भी है मंदिर

बिरसिंहपुर पाली का मां बिरासिनी मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थल ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्राचीन प्रतिमा, उससे जुड़ी लोककथा, मंदिर के जीर्णोद्धार का इतिहास और पीढिय़ों से चली आ रही पूजा परंपराएं इस धाम की विशिष्ट पहचान हैं। उमरिया जिले की पहचान से जुड़े इस प्राचीन देवी धाम में श्रद्धालु मां बिरासिनी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना करते हैं। आस्था और परंपरा से जुड़ा यह मंदिर आज भी क्षेत्र के धार्मिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।



हनुमान दुर्गोतहव समिति मानपुर



माँ विरागना दुर्गोतसव समिति मानपुर



जय मां सिद्धिविनायक दुर्गोतसव समिति मानपुर



मां काली दुर्गा उत्सव समिति बिजौरी तिराहा मानपुर



बालक दुर्गा उत्सव समिति



जय मां दुर्गा उत्सव समिति मेन बस स्टैंड मानपुर



दुर्गोत्सव समिति बस स्टैंड मानपुर



अन्नपूर्णा दुर्गा उत्सव समिति मानपुर



जय माँ शारदा दुर्गोतसव समिति चांदनी चौक मानपुर



श्री राम जानकी दुर्गा उत्सव समिति रामकुंज चौक मानपुर



जय मां वैष्णवी दुर्गोत्सव समिति नामदेव मोहल्ला मानपुर

कोतमा नगर में नवरात्रि की धूम, महाअष्टमी पर मां दुर्गा के दरबार में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब'



हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर में शारदीय नवरात्रि पर्व की धूम मची हुई है। मां दुर्गा की आराधना में पूरा नगर भक्तिमय नजर आ रहा है। महाअष्टमी के विशेष अवसर पर कोतमा नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थापित मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाओं के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। नगर के गांधी चौक, स्टेट बैंक रोड, हॉस्पिटल रोड, वीडियो मोड़, बेरियल चौक और बस स्टैंड सहित विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा के आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं, जहां भक्तजन माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। महाअष्टमी के पावन अवसर पर शारदा मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। इस दौरान हजारों कन्याओं को श्रद्धापूर्वक कन्या भोज कराया गया। हिंदू धर्म में कन्या पूजन और कन्या भोज का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि कन्याओं में मां दुर्गा के स्वरूप का दर्शन कर उनकी पूजा-अर्चना करने से सुख, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद प्राप्त होता है। मंदिर परिसर में कन्या भोज को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ धार्मिक आयोजन में सहभागिता की। महाअष्टमी पर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर भक्तों ने परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। नवरात्रि के चलते कोतमा नगर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में धार्मिक उत्साह चरम पर है। आकर्षक साज-सज्जा और भव्य प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। सुबह से ही मंदिरों और दुर्गा पंडालों में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। माता रानी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। महाअष्टमी के अवसर पर पूजा-पाठ, कन्या पूजन और कन्या भोज जैसे धार्मिक आयोजनों से नवरात्रि पर्व की रौनक और बढ़ गई है। श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मां दुर्गा की आराधना में लीन हैं। कोतमा नगर में नवरात्रि का यह पावन पर्व आस्था, भक्ति और धार्मिक एकता का संदेश दे रहा है। मां दुर्गा के जयकारों के बीच श्रद्धालु माता रानी से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना कर रहे हैं।

हर साल होगी कोयला कर्मचारियों की मेडिकल जांच, लेबर कोड के तहत बदलाव की तैयारी

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

एसईसीएल समेत कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनियों की खदानों में कार्यरत कोयला कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी की जा रही है। खदानों में ब्लास्टिंग के दौरान उड़ने वाली कोयले की धूल के बीच काम करने वाले कर्मचारियों की अब हर पांच साल के बजाय प्रतिवर्ष मेडिकल जांच कराने का प्रस्ताव है। इससे गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान करने और कर्मचारियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। वर्तमान व्यवस्था के तहत कोयला कर्मियों की प्रत्येक पांच साल में चिकित्सा जांच का प्रावधान है। अब प्रस्तावित लेबर कोड के संभावित क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए कोल इंडिया प्रबंधन स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी व्यवस्था में बदलाव की तैयारी कर रहा है।

प्रबंधन ने प्रस्तावित प्रावधानों को प्रस्तुति के माध्यम से सुरक्षासलाहकार समिति की बैठक में यूनियन प्रतिनिधियों के समक्ष रखा है। प्रस्तावित व्यवस्था में महिला कर्मचारियों की मेडिकल जांच महिला चिकित्सक अथवा महिला परिचारिका की मौजूदगी में कराने का प्रावधान भी शामिल है। इसके अलावा बचाव दल के प्रशिक्षित कर्मचारियों को भी सालाना मेडिकल जांच की सुविधा देने का प्रस्ताव है। कर्मचारियों के स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने के लिए सीआईएल डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से चिकित्सा जांच, स्वास्थ्य अभिलेख और व्यावसायिक स्वास्थ्य निगरानी को डिजिटल स्वरूप दिया जाएगा। प्रस्तावित श्रम व्यवस्था में दैनिक कार्यावधि आठ घंटे और साप्ताहिक अधिकतम कार्यावधि 48 घंटे रखने की बात कही गई है। इसके तहत सप्ताह में अधिकतम छह दिन काम लेने का प्रावधान प्रस्तावित है। वहीं ओवरटाइम की अधिकतम सीमा एक तिमाही में 144 घंटे निर्धारित करने का प्रस्ताव है। सालाना छुट्टी की पात्रता के नियमों में भी बदलाव प्रस्तावित है। वर्तमान व्यवस्था में भूमिगत खदानों के कर्मचारियों के लिए 190 दिन और अन्य कर्मचारियों के लिए 240 दिन की उपस्थिति के आधार पर पात्रता निर्धारित होती है। नई व्यवस्था में दोनों श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए 180 दिन की उपस्थिति को आधार बनाने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित व्यवस्था लागू होने पर एसईसीएल समेत कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों की स्वास्थ्य निगरानी को मजबूती मिल सकती है। हालांकि, सालाना मेडिकल जांच सहित अन्य प्रस्तावित प्रावधानों के अंतिम क्रियान्वयन की आधिकारिक पुष्टि के बाद ही इन्हें लागू व्यवस्था माना जा सकेगा।

भालूमाड़ा में विराजीं मां दुर्गाभिक्तिमय हुआ माहौल



हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा। शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर भालूमाड़ा क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना हुआ है। क्षेत्र में प्रमुख स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जहां श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना कर रहे हैं। नौ दुर्गा समिति, संतोषी दफाई वार्ड क्रमांक 13 भालूमाड़ा, राठौर दफाई तथा जमुना कॉलोनी के ई-ब्लॉक में मां दुर्गा की प्रतिमाएं विराजित हैं। तीनों स्थानों पर मां के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। नवरात्र पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। मां दुर्गा की आराधना से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर है। समितियों द्वारा स्थापित प्रतिमाओं के समक्ष श्रद्धालु शीश नवाकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

अमरकंटक में नवरंग गरबा महिला मंडल समिति का शानदार आयोजन

महिलाओं एवं बालिकाओं ने गरबा-डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियों से मोहा दर्शकों का मन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में नवरंग गरबा महिला मंडल समिति के तत्वावधान में शनिवार, 17 अक्टूबर को साप्ताहिक बाजार रामघाट मैदान में भव्य गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। शाम 7:30 बजे से रात्रि 11 बजे तक चले इस रंगारंग कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं ने गरबा, डांडिया और आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी उल्लेखनीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया और पूरा मैदान उत्साह एवं उमंग से सराबोर रहा। नवरंग गरबा महिला मंडल समिति की आयोजनकर्ता श्रीमती मैत्री बटबयाल, श्रीमती कशिश खत्री एवं श्रीमती उमा शांति मिश्रा के कुशल नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उनके मार्गदर्शन एवं प्रयासों से महिलाओं और बालिकाओं को अपनी कला एवं सांस्कृतिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष दर्शक शामिल हुए। प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक गरबा, डांडिया एवं नृत्य प्रस्तुतियां देकर ऐसा समां बांधा कि उपस्थित जनसमूह मंत्रमुग्ध होकर कार्यक्रम का आनंद लेता रहा। लगभग साढ़े तीन घंटे तक चले इस महोत्सव में रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों से सजी महिलाओं एवं बालिकाओं की प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। आयोजन की उपस्थित लोगों ने मुक्त कंठ से सराहना की। गरबा महोत्सव का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात निर्णायक मंडल में शामिल सदस्यों का शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। निर्णायक मंडल में प्रमुख रूप से श्रीमती कुसुम अग्रवाल, श्रीमती अंजना कटारे, श्रीमती बबीता सिंह, श्रीमती वंदना मिश्रा, श्रीमती अंजू द्विवेदी एवं श्रीमती पटनायक शामिल रहीं। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का अवलोकन कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं का चयन किया। आयोजन के दौरान महिला वर्ग में श्रीमती शिवानी माली, श्रीमती साधना पाठक, श्रीमती भूमि बटबयाल एवं श्रीमती अंजू सेन को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं बालिका वर्ग में कात्यानी मिश्रा, खुशी खत्री, दिव्यांशी एवं सायना कुशराम को पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागी बालिकाओं को प्रोत्साहन स्वरूप उपहार भेंट किए गए। सम्मान प्राप्त करने पर प्रतिभागियों में उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। पवित्र नगरी अमरकंटक में महिलाओं द्वारा इस प्रकार के गरबा महोत्सव का आयोजन सांस्कृतिक गतिविधियों की दृष्टि से एक उल्लेखनीय पहल रहा। नवरंग गरबा महिला मंडल समिति के इस प्रयास ने महिलाओं एवं बालिकाओं को अपनी कला, प्रतिभा और सांस्कृतिक अभिरुचि प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराया। गरबा और डांडिया की प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय लोक संस्कृति, परंपरा और सामूहिक उत्सव की सुंदर झलक देखने को मिली। आयोजनकर्ता श्रीमती मैत्री बटबयाल, श्रीमती कशिश खत्री एवं श्रीमती उमा शांति मिश्रा के कुशल नेतृत्व और समन्वय से कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। आयोजन में शामिल दर्शकों ने महिला मंडल की पहल की सराहना करते हुए इसे अमरकंटक की सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस थाना अमरकंटक की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। महिला एवं पुरुष पुलिस बल पूरे आयोजन के दौरान तैनात रहा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। नवरंग गरबा महिला मंडल समिति के इस भव्य आयोजन ने अमरकंटक में उत्सव का माहौल बना दिया। महिलाओं एवं बालिकाओं की प्रतिभा, आयोजनकर्ताओं के कुशल नेतृत्व और दर्शकों की सहभागिता ने गरबा महोत्सव को यादगार बना दिया।

खबर संक्षेप



स्वामित्व की योजना के नाम पर भूम फैला रही सरकार- राजभान पांडे

ब्यौहारी। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष राजभान पांडे द्वारा भाजपा सरकार भूमिहीनों को भ्रमित करने का आरोप लगाया उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जो भूमि स्वामित्व योजना चलाई जा रही है इस योजना के नाम पर पूरी तरह से लोगों को बेवकूफ बनाया जा रहा है क्योंकि जिन लोगों को जमीन दी जा रही है उन लोगों को कभी वनाधिकार, कभी भू अधिकार के नाम पर पहले ही पट्टे बांटे जा चुके हैं यदि अभी मुख्यमंत्री का कार्यक्रम हो जाए तो जिन लोगों को पहले से पट्टे दिए गए हैं उन लोगों को बुला करके फिर से वही पट्टे दे दिए जायेंगे और नए पट्टे देने का ढिंढोरा पीटा जाता इस बार रजिस्ट्री कराई जा रही है जो जमीन पहले ही पट्टा बन चुका है उसी भूमि की रजिस्ट्री हो रही है इस तरह से भूमि को बेवकूफ बनाया जा रहा है लेकिन अब जनता समझ चुकी है।

चाकू लेकर घूम रहे तीन आरोपित हुये गिरफ्तार

कटनी। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने हथियार लेकर घूम रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान मुड़वारा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में एक युवक को संदिग्ध स्थिति में पकड़ा गया। पूछताछ और तलाशी के दौरान आरोपी के पास से बटनदार चाकू बरामद हुआ। आरोपित ओम आकाश चौधरी 20 वर्ष निवासी आबकारी मोहल्ला, रबर फैक्ट्री रोड के विरुद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया है। इसी तरह एनकेजे पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शासकीय स्कूल डाइट के पास एक संदिग्ध को धर दबोचा। तलाशी लेने पर उसके पास से एक लोहे का धारदार चाकू मिला। आरोपित किशन उर्फ राजा दुबे 27 वर्ष निवासी ग्राम जुहली के विरूद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत कार्रवाई की है। वहीं रंगनाथ नगर पुलिस ने मदन मोहन चौबे वार्ड में पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अन्य आरोपी को दबोचा जो घातक हथियार लेकर घूम रहा था। आरोपी के पास से एक लोहे का नुकीला एवं धारदार बका जब्त किया गया है। आरोपित राजू अठ्या 50 वर्ष निवासी कचनार सिटी, माढ़ोताल, जिला जबलपुर के विरूद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नाबालिग बालिका दस्तयाब

विजयराघवगढ़। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ अभिषेक चौबे के नेतृत्व में पुलिस ने लापता नाबालिग को दस्तयाब कर लिया हे। पुलिस के अनुसार 06/05/2026 को थाना क्षेत्र की नाबालिंग लड़की बिना बताये कहीं चले जाने की रिपोर्ट पर मामला पंजीबद्ध कर वरिष्ठ अधिकारियों के लगातार निर्देशन एवं मार्गदर्शन पर नाबालिंग बालिका की दस्तयाबी हेतु पुलिस टीम तैयार की गई। थाना प्रभारी अभिषेक चौबे द्वारा द नाबालिंग बालिका की दस्तयाबी हेतु पृथक-पृथक पुलिस टीम तैयार की गई। पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका की तलाश करते हुये दिनांक 16/10/2026 को सफलता प्राप्त कर नाबालिग बच्ची को सकुशल दस्तयाब किया और उसके माता पिता के सुपुर्द किया गया। कार्यवाही में टीआई अभिषेक चौबे, सउनि विक्रम सिंह, प्रधान आरक्षक श्याम दास महिला आरक्षक जयंती, सायबर टीम के आरक्षक अमित की भूमिका रहीं।

छेड़छाड़ के आरोपी को दो वर्ष का सश्रम कारावास

कटनी। घर में घुसकर बुरी नियत से महिला के साथ छेड़छाड़ के आरोपी को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कटनी की न्यायालय ने 2 वर्ष के कारावास एवं जुर्माना से दंडित किया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार बड़वारा थाना अंतर्गत 20 अक्टूबर 2018 को पीडिता द्वारा थाना बड़वारा में आवेदन पेश कर शिकायत की गई।

भठिया धाम में उमड़ा आस्था का महासैलाबः महाअष्टमी पर माँ सिंहवाहिनी के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, कल निकलेगा जवारा जुलूस







बुढार। जैतपुर जिले के सुप्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक पौराणिक केंद्र 'माँ सिंहवाहिनी शक्तिपीठ भठिया मंदिर' में शारदीय नवरात्रि के आठवें दिवस (महाअष्टमी) पर माँ भगवती के पूजन-अर्चन और दर्शन हेतु श्रद्धालु भक्तों का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरे दिन मंदिर प्रांगण "जय माँ सिंहवाहिनी" और "जय माता दी" के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान रहा।

ब्रह्म मुहूर्त में हुआ माँ का भव्य श्रृंगार

नवरात्रि के पावन अवसर पर संपूर्ण मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों, मालाओं और दूधिया रोशनी से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। अष्टमी के दिन ब्रह्म मुहूर्त से ही भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। प्रातः 4 बजे मंदिर के पुजारी पंडित कैलाश द्विवेदी द्वारा विधि-विधान से माता रानी का अभिषेक, वस्त्र, चुनरी, सिंदूर व नारियल अर्पित कर भव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद प्रातः 4 बजे ही भक्तों के दर्शनार्थ पट खोल दिए गए। प्रातः 7 बजे से विशेष दुर्गा सप्तशती पाठ और पूजा-अर्चना संपन्न हुई, वहीं शाम को महाआरती व भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया।

20 अक्टूबर को निकलेगा जवारा जुलूस

मंदिर पुजारी व समिति ने बताया कि नवरात्रि पर्व के दौरान प्रतिदिन माता जी का नित्य विधि-विधान से श्रृंगार किया जा रहा है। इसी कड़ी में आगामी 20 अक्टूबर को माँ का प्रसिद्ध जवारा जुलूस पूरी श्रद्धा और धूमधाम के साथ निकाला जाएगा।

पौराणिक महत्वः सती की गिरी थी दाहिनी भुजा

शहडोल संसदीय क्षेत्र के इस सबसे प्रसिद्ध देवी मंदिर की अपार पौराणिक मान्यता है। मान्यतानुसार, भठिया धाम उन 51 शक्तिपीठों में से एक है जहाँ माता सती की दाहिनी भुजा गिरी थी। यही कारण है कि यहाँ माँ सिंहवाहिनी के दर्शन व आराधना से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वर्ष भर तथा दोनों नवरात्रि में यहाँ संभाग व दूर-दराज के अंचलों से लाखों श्रद्धालु शीश नवाते हैं। कई भक्त पैदल व कनक-दंड (लेटते हुए) माँ के दरबार पहुँच रहे हैं।

सुगम दर्शन व सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था

जैतपुर तहसीलदार एवं मेला प्रभारी पदमाकर जी, मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष कमलभान सिंह परिहार, तथा सेवा समिति अध्यक्ष विनोद सिंह परिहार ने बताया कि मंदिर में दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए माकूल प्रबंध किए गए हैं।

मेला प्रबंधनः नवरात्रि मेले को व्यवस्थित रूप से लगाया गया है ताकि आने-जाने वालों को परेशानी न हो।

पेयजल व बैठक व्यवस्थाः ट्रस्ट व सेवा समिति की पहल पर पेयजल, छांव व बैठने के समुचित इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्थाः भीड़ नियंत्रण व सुरक्षा के दृष्टिगत जैतपुर थाना प्रभारी समीर वरसी के नेतृत्व में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

आयोजन को सफल बनाने में जुटी समिति

नवरात्रि महोत्सव, भंडारे और मेले को भव्य व सुव्यवस्थित बनाने में ट्रस्ट व सेवा समिति के सदस्य—कृष्ण कुमार सिंह बघेल, राजेंद्र सिंह करचुली, बद्री विशाल मिश्रा, विजय कृष्ण मिश्रा, अवनीश सिंह परिहार, बाबूराम सिंह, हीरा लाल गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, सुरेन्द्र सिंह परिहार, आशीष त्रिपाठी, ओम प्रकाश शर्मा, दुलम टंडिया, छक्के लाल गुप्ता, विष्णु गुप्ता, लवलेश सिंह परिहार, जितेंद्र तिवारी, कमलेश मिश्रा एवं रामकल्याण गुप्ता सहित सभी कार्यकर्ता निरंतर सराहनीय योगदान दे रहे हैं।

बुढ़ार में दशहरा उत्सव की तैयारियां तेज, 20 अक्टूबर को 50 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन





बुढ़ार। कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम दशहरा मैदान में दशहरा उत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। दशहरा उत्सव समिति द्वारा मैदान में करीब 50 फीट ऊंचे रावण के पुतले का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। आगामी 20 अक्टूबर को रावण दहन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।दशहरा उत्सव को लेकर समिति के पदाधिकारी आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने में जुटे हुए हैं। मैदान में रावण के पुतले के निर्माण के साथ ही अन्य तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए समिति द्वारा व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष जीतेंद्र सिंह, रावण अध्यक्ष अमित सिंघानिया तथा आतिशबाजी अध्यक्ष प्रिंस सहित समिति के सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। समिति द्वारा 20 अक्टूबर को आयोजित होने वाले रावण दहन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर तैयारियां लगातार की जा रही हैं।

मां की भक्ति में लीन हुईं गरबा प्रतियोगीः नव दुर्गा गरबा महोत्सव के आयोजन में 5 सौ महिलाओं ने बिखेरा छटा





बुढ़ार। शक्ति उपासना के पावन पर्व शारदेय नवरात्र के अवसर पर नगर में भक्ति, उत्साह और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। 'नव दुर्गा गरबा महोत्सव' के द्वारा आयोजित होटल अतिराज में दो दिवसीय गरबा व डांडिया महोत्सव का भव्य समापन हुआ।

इस रंगारंग कार्यक्रम में नगर की लगभग 400 से 500 महिलाओं एवं युवतियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और माता रानी की आराधना कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

पारंपरिक परिधानों और ढोल की थाप से गुंजायमान हुआ प्रांगण

कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक गरबा की सुंदरता, जगमगाते रंग-बिरंगे परिधानों की छटा और ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते कदमों ने उपस्थित सभी दर्शकों का मन मोह लिया। गरबा प्रांगण में उल्लास का ऐसा माहौल था कि हर कोई मां की भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। महिलाओं ने अपनी ऊर्जा और उत्साह से इस आयोजन को बेहद यादगार बना दिया।

शानदार कोरियोग्राफी ने लगाए चार चांद

इस भव्य गरबा महोत्सव की कोरियोग्राफी प्रसिद्ध कोरियोग्राफर अनीश सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। उनकी बेहतरीन कोरियोग्राफी और नए-नए गरबा स्टेप्स के कारण इस आयोजन ने एक नई ऊँचाई हासिल की।

सहयोगी टीम का रहा सराहनीय योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में गरबा सहयोगी टीम का विशेष और सराहनीय योगदान रहा। टीम की सक्रिय सदस्य श्रीमती शालिनी सरावगी,जसमीत कौर लांबा, अपर्णा पाठक, मोना सिंह, आरती तिवारी, दीपिका तिवारी, शिवा सोनी एवं लता सोनी—ने व्यवस्थाओं को संभालने से लेकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम के सफल समापन पर सभी प्रतिभागियों, सहयोगियों एवं नगरवासियों का आभार व्यक्त किया।

अष्टमी पर अमलाई में दुर्गोत्सव की धूम, भव्य झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का माहौल







अमलाई।

शारदीय नवरात्र की अष्टमी पर अमलाई क्षेत्र के दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। कहीं आकर्षक चल झांकियां लोगों का मन मोह रही हैं, तो कहीं गरबा, देवी जागरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से उत्सव की रौनक बढ़ रही है। विभिन्न समितियों द्वारा धार्मिक परंपराओं के साथ सांस्कृतिक आयोजन किए जा रहे हैं।बापू चौक पर दुर्गोत्सव के 40 वर्ष पूरे, चार चल झांकियां आकर्षणबापू चौक बरगवां रोड पर युवा जागृति मंच द्वारा आयोजित दुर्गोत्सव इस वर्ष 40वें वर्ष में पहुंच गया है। वर्ष 1986 में करीमुल्ला खान के नेतृत्व में शुरू हुई परंपरा के तहत इंदौर के कलाकारों द्वारा भगवान शिव, यशोदा-कृष्ण, श्रीकृष्ण लीला और पुष्पक विमान पर आधारित चार चल झांकियां तैयार की गई हैं। आकर्षक विद्युत सज्जा से सजा पंडाल श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। बुढ़ार, धनपुरी, शहडोल, अनूपपुर और कोतमा सहित आसपास के क्षेत्रों से लोग दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।गांधीनगर सोडा फैक्ट्री में लोटस टेंपल की सजावटश्री श्री नवदुर्गा उत्सव समिति गांधीनगर सोडा फैक्ट्री द्वारा दिल्ली के लोटस टेंपल की आकर्षक प्रतिकृति तैयार की गई है। यहां प्रतिदिन गरबा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां हो रही हैं। दशहरा के दिन रावण दहन भी किया जाएगा जिसकी तैयारी जोरों से चल रही है। 26 अक्टूबर को वृंदावन और पंजाब के कलाकारों द्वारा मां भगवती देवी जागरण, आकर्षक झांकियों और देवी गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम में बृजकिशोर गुप्ता, मुंबई इंडियन आइडल की गायिका वैशाली रैकवार सहित आरती एवं अवधेश प्रस्तुतियां देंगे। ईएसआई चौक पर गरबा और सांस्कृतिक कार्यक्रमईएसआई चौक ओपीएम अमलाई में युवा संघ द्वारा लंबे समय से नवरात्र उत्सव आयोजित किया जा रहा है। यहां प्रतिदिन गरबा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है, जिसमें स्थानीय लोग उत्साहपूर्वक शामिल हो रहे हैं। अष्टमी पर भी क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है।ओपीएम दुर्गा पंडाल में बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियांओपीएम के दुर्गा पूजा पंडाल में शिक्षण केंद्र के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। बच्चों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। कार्यक्रमों में ओपीएम के वरिष्ठ अधिकारी और क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। यहां हर वर्ष ओपीएम के द्वारा रावण दहन भी किया जाता है। डीवीएम पब्लिक स्कूल में बच्चों ने दिखाए मां दुर्गा के नौ स्वरूपडीवीएम पब्लिक स्कूल, ओपीएम अमलाई में नवरात्र के अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई। छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का मनमोहक चित्रण किया। संस्था के संस्थापक वी. कुलवंत, रीजनल डायरेक्टर सुशीला कुलवंत और प्राचार्या विद्या बंजारे ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का समापन मां दुर्गा की आरती के साथ हुआ।नवरात्र के अवसर पर अमलाई क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर आयोजित धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आस्था, परंपरा और सामाजिक सहभागिता का संदेश दे रहे हैं। अष्टमी पर पंडालों में दर्शन, पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

खबर संक्षेप

अमरकंटक में 23 अक्टूबर से होगा गीता स्वाध्याय प्रशिक्षण वर्ग



अमरकंटक। मां नर्मदा की पावन उद्गम स्थली अमरकंटक में श्रीमद्भगवद्गीता के अध्ययन, स्वाध्याय और उसके जीवनोपयोगी संदेशों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से विश्वगीता प्रतिष्ठानम् द्वारा चार दिवसीय गीता स्वाध्याय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जा रहा है। क्षेत्रीय प्रवास वर्ग के अंतर्गत आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न जिलों से आने वाले स्वाध्यायी गीता के सिद्धांतों, जीवन दर्शन और आध्यात्मिक चिंतन का अध्ययन करेंगे। प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन गीता स्वाध्याय मंदिर, माई की बगिया मार्ग, अमरकंटक में किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 23 अक्टूबर को सायंकाल होगा, जबकि प्रशिक्षण वर्ग का समापन 26 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे होगा। प्रशिक्षण के दौरान श्रीमद्भगवद्गीता के संदेशों, स्वाध्याय की पद्धति तथा उसके सिद्धांतों को दैनिक जीवन में अपनाने के महत्व पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। गीता स्वाध्याय मंदिर अमरकंटक के अध्यक्ष एवं संचालक स्वामी नर्मदानंद गिरि जी महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में विश्वगीता प्रतिष्ठानम् के केंद्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों सहित विभिन्न जिलों के स्वाध्यायियों के शामिल होने की अपेक्षा है। आयोजन की व्यवस्था के अंतर्गत प्रत्येक जिले से दो स्वाध्यायियों की सहभागिता प्रस्तावित है। प्रशिक्षण वर्ग के लिए 200 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम में वर्ग संयोजक पं. रमेश कोठारी तथा वर्ग व्यवस्था प्रमुख रामाशंकर गौतम की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आयोजकों द्वारा शहडोल, अनूपपुर, पेंड्रा एवं बिलासपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के संपर्क प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रशिक्षण वर्ग की जानकारी इच्छुक प्रतिभागियों तक पहुंचाई जा रही है। श्रीमद्भगवद्गीता भारतीय आध्यात्मिक एवं दार्शनिक परंपरा का महत्वपूर्ण ग्रंथ है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कर्म, कर्तव्य, ज्ञान, भक्ति, आत्मसंयम और लोककल्याण का मार्ग बताया है। गीता का स्वाध्याय व्यक्ति को जीवन की परिस्थितियों को समझने, अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और आत्मिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। अमरकंटक जैसे पवित्र तीर्थ स्थल पर आयोजित यह प्रशिक्षण वर्ग स्वाध्यायियों को आध्यात्मिक वातावरण में गीता के विचारों का गहन अध्ययन एवं मनन करने का अवसर प्रदान करेगा। साथ ही, गीता के सिद्धांतों को व्यवहार में अपनाने और समाज में उनके संदेशों का प्रसार करने की दिशा में भी यह आयोजन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आयोजकों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कटनी-बिलासपुर रेल मार्ग पर स्थित अनूपपुर एवं पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन से अमरकंटक की दूरी लगभग 70 किलोमीटर बताई गई है। प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने वाले प्रतिभागी इन दोनों रेलवे स्टेशनों से सड़क मार्ग द्वारा अमरकंटक पहुंच सकते हैं। प्रशिक्षण वर्ग से संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वगीता प्रतिष्ठानम् की आधिकारिक वेबसाइट पर प्राप्त की जा सकती है।

पसान नगर पालिका उपाध्यक्ष अजय यादव की वित्तीय धोखाधड़ी पर कसेगा शिकंजा

फर्जी एफडीआर जमा कर शासन को करोड़ों की चपत

शहडोल संभाग से लेकर भोपाल तक हड़कंप

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के शहडोल संभाग के अंतर्गत आने वाले अनूपपुर जिले की पसान नगर पालिका परिषद में एक बेहद चौंकाने वाला और बड़ा वित्तीय महाघोटाला सामने आया है। नगर पालिका परिषद पसान के उपाध्यक्ष अजय यादव और उनके भाई आजाद यादव द्वारा संचालित फर्मों पर सरकारी टेंडरों में फर्जी, कूटरचित और नकली सावधि जमा रसीद (एफडीआर) लगाकर शासन को लाखों-करोड़ों रुपये का चूना लगाने के गंभीर आरोप लगे हैं। शहडोल संभाग के नगरीय प्रशासन एवं विकास कार्यालय द्वारा जारी कड़े आदेश और पसान नगर पालिका के अध्यक्ष सहित तमाम पार्षदों की संयुक्त लिखित शिकायत के बाद अब इस पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया है। इस खुलासे के बाद से न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि पूरे शहडोल संभाग के प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।


कार्यालय संयुक्त संचालक
नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल



बैंकों के भौतिक सत्यापन में खुली पोल, सुनियोजित तरीके से दिया गया अंजाम

यह पूरा मामला तब प्रकाश में आया जब पसान और कोतमा नगर पालिका में कराए गए विभिन्न शासकीय निर्माण कार्यों व निविदाओं (टेंडर्स) के संपादन हेतु इन फर्मों द्वारा जमा की गई धरोहर राशि तथा सुरक्षा निधि (सिक्योरिटी डिपॉजिट) के रूप में दी गई एफडीआर का बैंकों से भौतिक एवं वित्तीय सत्यापन कराया गया। बैंक प्रबंधन द्वारा की गई जांच में यह कड़वा सच सामने आया कि जमा की गई ये सभी एफडीआर पूरी तरह से फर्जी, नकली और कूट रचित थीं। शासकीय नियमों और व्यवस्थाओं की सरेआम धज्जियां उड़ाते हुए उपाध्यक्ष अजय यादव और उनके सहयोगियों ने सुनियोजित तरीके से इस संगठित वित्तीय अपराध को अंजाम दिया, ताकि बिना वास्तविक राशि जमा किए करोड़ों रुपये के सरकारी ठेके हथियाए जा सकें।

पसान से लेकर बिजुरी और राजनगर तक फैला धोखाधड़ी का जाल

प्रशासनिक सूत्रों और शिकायतकर्ताओं के अनुसार, इस महाघोटाले और खुली लूट का दायरा केवल पसान या कोतमा नगर पालिका तक ही सीमित नहीं है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपियों ने इस शातिराना तरीके का इस्तेमाल आसपास के अन्य नगरीय निकायों जैसे बिजुरी, डोला, डूमरकछार और राजनगर में भी किया है। इन निकायों में भी फर्जी एफडीआर लगाकर कई महत्वपूर्ण निविदाएं हासिल करने और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को अंजाम देने की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है। अगर इन सभी निकायों में भी जांच का दायरा बढ़ाया जाता है, तो यह घोटाला करोड़ों रुपये के एक विशालकाय वित्तीय गबन का रूप ले सकता है।

अध्यक्ष और पार्षदों ने खोला मोर्चा, ब्लैकलिस्ट करने और एफआईआर की मांग

इस महाघोटाले के उजागर होते ही जनता के पैसों की लूट के खिलाफ पसान नगर पालिका के अध्यक्ष और सभी पार्षदों ने एक सुर में लामबंद होकर मोर्चा खोल दिया है। जनप्रतिनिधियों ने मामले को लेकर बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया है और वरिष्ठ अधिकारियों को एक संयुक्त लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में मांग की गई है कि नगर पालिका उपाध्यक्ष अजय यादव, उनके भाई आजाद यादव और उनकी सभी संबद्ध व बेनामी फर्मों को तत्काल प्रभाव से शासकीय कार्यों के लिए काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डाला जाए। इसके साथ ही, सरकारी दस्तावेजों के साथ जालसाजी करने और धोखाधड़ी के इस संगठित अपराध के लिए आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न संगीन धाराओं के तहत तत्काल आपराधिक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

कार्यपालन यंत्री का सख्त रुख, 3 दिनों के भीतर मांगी जांच रिपोर्ट

मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल के कार्यपालन यंत्री ने बेहद सख्त रवैया अपनाया है। उन्होंने संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को कड़े लहजे में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेश के तहत निकायों में जमा सभी संदिग्ध एफडीआर का संबंधित बैंकों से तत्काल प्रभाव से सत्यापन कराने को कहा गया है। इसके साथ ही पूरी मूल नस्ती (ओरिजिनल फाइल) और आवश्यक दस्तावेजों के साथ केवल 3 दिनों के भीतर विस्तृत जांच प्रतिवेदन (इंक्वायरी रिपोर्ट) कार्यालय में प्रस्तुत करने का अल्टीमेटम दिया गया है। प्रशासनिक स्तर पर शुरू हुई इस त्वरित और तीखी कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि आरोपी उपाध्यक्ष और उनके करीबियों पर कानून का शिकंजा पूरी तरह से कस चुका है। दस्तावेजों के मिलान और बैंक रिपोर्ट आते ही आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होना और उनका जेल जाना लगभग तय माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों में भी इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि जनविकास के लिए आने वाली राशि को इस तरह फर्जीवाड़े की भेंट चढ़ा दिया गया।



कटकोना-उरा सड़क निर्माण में तेजी लाने के निर्देश, गुणवत्ता से समझौता नहीं

कलेक्टर रत्नाकर झा ने किया निर्माण कार्य का निरीक्षण

कोतमा। कटकोना-उरा सड़क निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर रत्नाकर झा ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में पर्याप्त श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि काम की गति प्रभावित न हो। साथ ही निर्माण कार्य में निर्धारित तकनीकी मानकों और गुणवत्ता संबंधी मापदंडों का कड़ाई से पालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सड़क निर्माण की वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने तथा अनावश्यक विलंब से बचने के निर्देश दिए। कलेक्टर झा ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि निर्माण कार्य के प्रत्येक चरण में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जाए, ताकि तकनीकी मापदंडों के अनुरूप काम सुनिश्चित हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य की प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि सड़क निर्माण को निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप आगे बढ़ाना जरूरी है, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा टीआर नाग सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिव राइस मिल पर धान उठाव में गड़बड़ी का आरोप, एक ही डीओ पर दो बार उठाव की चर्चा

433 क्विंटल के विरुद्ध 866 क्विंटल धान उठाव का दावा

जांच के दायरे में तत्कालीन शाखा प्रबंधक की भूमिका

अनूपपुर/कोतमा। सरकारी धान उपार्जन व्यवस्था में पारदर्शिता और रिकॉर्ड के सत्यापन को लेकर कोतमा के कदमटोला औद्योगिक क्षेत्र स्थित शिव राइस मिल का मामला चर्चा में है। उपार्जन वर्ष 2024-25 के दौरान मिल के लिए जारी डिलीवरी ऑर्डर (डीओ) क्रमांक 121 के विरुद्ध निर्धारित मात्रा से दोगुना धान उठाव किए जाने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि करीब 433 क्विंटल धान उठाव के लिए जारी आदेश के विरुद्ध 866 क्विंटल धान का उठाव दर्ज हुआ। यदि दस्तावेजों की जांच में यह अंतर प्रमाणित होता है, तो करीब 433 क्विंटल अतिरिक्त धान उठाव का मामला सामने आ सकता है। फिलहाल इस आरोप की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। ऐसे में संबंधित शाखा, वेयरहाउस और मिलर के अभिलेखों का निष्पक्ष मिलान कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सवाल यह है कि एक ही डीओ के विरुद्ध दो बार उठाव की प्रविष्टियां दर्ज हुईं तो उनके सत्यापन की जिम्मेदारी किसकी थी।





एनसीसीएफ कर्मचारियों के रिकॉर्ड मिलान में सामने आया मामला

जानकारी के अनुसार, संबंधित धान की मिलिंग का कार्य एनसीसीएफ एजेंसी के माध्यम से कराया गया था। बताया जा रहा है कि एजेंसी के कर्मचारी जब धान से जुड़े रिकॉर्ड और उपलब्ध विवरण का मिलान करने के लिए कोतमा शाखा पहुंचे, तब डीओ क्रमांक 121 के विरुद्ध कथित तौर पर दो बार धान उठाव किए जाने का मामला सामने आया। हालांकि, केवल रिकॉर्ड में दो प्रविष्टियां दिखाई देने से वास्तविक अतिरिक्त उठाव की पुष्टि नहीं मानी जा सकती। इसके लिए यह जांचना आवश्यक होगा कि दोनों प्रविष्टियां अलग-अलग उठाव की हैं, किसी एक उठाव की दोहरी प्रविष्टि हैं या अभिलेखों में किसी अन्य प्रकार की त्रुटि हुई है। दस्तावेजों का मिलान ही इस पूरे मामले की वास्तविकता स्पष्ट कर सकता है।

तत्कालीन शाखा प्रबंधक की भूमिका की जांच की मांग

प्रकरण में तत्कालीन शाखा प्रबंधक अरविंद सिंह की भूमिका की जांच किए जाने की मांग भी उठ रही है। बताया गया है कि वे वर्तमान में उमरिया जिले के मानपुर में पदस्थ हैं। जांच का प्रमुख बिंदु यह होना चाहिए कि डीओ के विरुद्ध धान उठाव की अनुमति किस स्तर पर दी गई, मात्रा का सत्यापन किसने किया और वेयरहाउस के रिकॉर्ड में दर्ज प्रविष्टियों की पुष्टि किस अधिकारी ने की। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि उठाव के समय जारी गेट पास, तौल पर्चियों, परिवहन संबंधी दस्तावेजों और स्टॉक रजिस्टर में कितनी मात्रा दर्ज की गई थी। केवल किसी अधिकारी की पदस्थापना या जिम्मेदारी के आधार पर दोष तय नहीं किया जा सकता। संबंधित अभिलेखों और प्रक्रिया की जांच के बाद ही जिम्मेदारी निर्धारित की जानी चाहिए।

इन दस्तावेजों से खुलेगा वास्तविकता का राज

मामले की निष्पक्ष जांच के लिए डीओ क्रमांक 121 की मूल प्रति, उसके विरुद्ध दर्ज उठाव की सभी प्रविष्टियां, गेट पास, तौल पर्चियां, परिवहन दस्तावेज, वेयरहाउस का स्टॉक रजिस्टर, मिलिंग संबंधी विवरण और भुगतान अभिलेखों का आपस में मिलान आवश्यक है। साथ ही यह भी जांचा जाना चाहिए कि संबंधित अवधि में धान का प्रारंभिक स्टॉक, वास्तविक निर्गमन और शेष मात्रा के आंकड़े एक-दूसरे से मेल खाते हैं या नहीं। यदि रिकॉर्ड में 433 क्विंटल के स्थान पर 866 क्विंटल उठाव दर्ज होने की पुष्टि होती है, तो यह पता लगाना होगा कि अतिरिक्त मात्रा वास्तव में निकाली गई थी या केवल कागजी प्रविष्टियों में अंतर है। इसके बाद ही संभावित वित्तीय या प्रशासनिक अनियमितता की प्रकृति और जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

जांच होगी तो तय होगी जिम्मेदारी

सरकारी धान उपार्जन और मिलिंग व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता की आशंका को हल्के में नहीं लिया जा सकता। संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे प्रकरण की दस्तावेज-आधारित जांच करानी चाहिए। जांच में यदि निर्धारित मात्रा से अधिक धान उठाव या रिकॉर्ड में जानबूझकर गड़बड़ी की पुष्टि होती है, तो नियमानुसार जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि डीओ क्रमांक 121 के विरुद्ध दर्ज दोनों उठाव प्रविष्टियों का सत्यापन कब होगा? क्या संबंधित शाखा और वेयरहाउस के रिकॉर्ड का मिलान कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक की जाएगी, और यदि 433 क्विंटल अतिरिक्त उठाव की पुष्टि होती है, तो इसकी जिम्मेदारी किस पर तय होगी? इन सवालों के जवाब निष्पक्ष जांच और आधिकारिक दस्तावेजों से ही सामने आ सकते हैं।

सांसद हिमाद्री सिंह ने कोतमा और अनूपपुर विधानसभा का किया भ्रमण, कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

मंगल भवन निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए एसईसीएल के सीएमडी से की चर्चा



जनहित के कार्य को पूरा कराने का दिया भरोसा

अनूपपुर।

शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने 17 अक्टूबर को अनूपपुर जिले के कोतमा एवं अनूपपुर विधानसभा क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की और भाजपा कार्यकर्ताओं के निवास पर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात कर कुशलक्षेम जाना। भ्रमण के दौरान सांसद ने विकास कार्यों का जायजा लेने के साथ जनहित से जुड़े विषयों पर भी पहल की। कोतमा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत खमरौध में सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन अटल ग्राम सेवा सदन का लोकार्पण किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत छह ग्रामीण सड़कों का पूजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इन विकास कार्यों को ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के पसान नगर पालिका अंतर्गत भालूमाड़ा में सांसद हिमाद्री सिंह ने निर्माणाधीन मंगल भवन का अवलोकन किया। इस दौरान भवन निर्माण को लेकर एसईसीएल के जमुना-कोतमा क्षेत्र की ओर से किए जा रहे हस्तक्षेप का विषय सामने आया। सांसद ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जनहित के कार्य को पूरा कराने का भरोसा दिलाया। उन्होंने तत्काल एसईसीएल बिलासपुर के सीएमडी से दूरभाष पर चर्चा कर मंगल भवन के निर्माण में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न होने देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश देने की बात कही। सांसद ने जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा कराने पर जोर दिया।

क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह पसान भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मिंटू के निवास पर पहुंचीं और उनके परिजनों से मुलाकात कर हालचाल जाना। इसके पश्चात उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष लाल बहादुर जायसवाल तथा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह के निवास पर पहुंचकर परिवारजनों से मुलाकात की। इस दौरान भाजपा नेताओं के परिवारों में हुए शोक पर संवेदना व्यक्त करते हुए अपनी सहानुभूति प्रकट की। सांसद के जमुना कोऑपरेटिव बाजार पहुंचने पर भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष उमेश मिश्रा, वरिष्ठ नेता राजू गुप्ता, नगर पालिका उपाध्यक्ष अजय यादव, दिलीप झा रणविजय सिंह सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके बाद सांसद वार्ड क्रमांक 3, जमुना कॉलोनी स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर देश, प्रदेश एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 3 की पार्षद श्रीमती सविता रूपेश सिंह तथा वार्ड की महिलाओं ने सांसद का स्वागत किया। भ्रमण के दौरान भाजपा पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशोक लाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी, वरिष्ठ नेता सुखविंदर सिंह नरेश शर्मा भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष विजय सिंह, अब्दुल कलाम मंडल महामंत्री अजय यादव सचिन जायसवाल वरिष्ठ पत्रकार संतोष चौरसिया दिवाकर विश्वकर्मा, मुकेश पनिका सहित भाजपा के अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।



अमरकंटक के सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव पंडालों में महाष्टमी पर हुआ हवन पूजन, श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ श्रद्धालुओं ने की मां दुर्गा की आराधना

अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर महाष्टमी के दिन विभिन्न सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव पंडालों में विधि-विधान के साथ हवन-पूजन संपन्न कराया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना कर सुख-समृद्धि, शांति एवं लोककल्याण की कामना की। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों से पंडालों का वातावरण भक्तिमय बना रहा। सार्वजनिक नवदुर्गोत्सव समिति, उच्च विश्राम गृह तिराहा के पंडाल में महाष्टमी के अवसर पर पंडित आकाश द्विवेदी राजा महाराज ने पूरे विधि-विधान के साथ हवन संपन्न कराया। इस अवसर पर यजमान के रूप में पंडित रामगोपाल द्विवेदी दादू महाराज सपत्नीक शामिल हुए। उनके साथ महिलाओं एवं पुरुषों ने भी हवन-पूजन और अर्चन में सहभागिता की। धार्मिक विधियों के अनुसार हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर मां दुर्गा से मंगलकामना की गई। इसी क्रम में नर्मदा तट स्थित रामघाट पार्किंग स्थल पर विराजित सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव पंडाल में भी महाष्टमी का हवन विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। यहां आचार्य एवं पुरोहित पंडित दिनेश द्विवेदी वंदे महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन कराया। यजमान के रूप में अभिषेक द्विवेदी शामिल हुए। इस धार्मिक अनुष्ठान में पुरुषों एवं युवाओं ने भी सहभागिता करते हुए हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कीं और मां दुर्गा का पूजन-अर्चन किया। दोनों सार्वजनिक पंडालों में महाष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। नवरात्रि के दौरान नगर के विभिन्न देवी पंडालों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि पतित पावनी पुण्य सलिला मां नर्मदा के पवित्र उद्गम परिसर में सोमवार, 19 अक्टूबर 2026 को हवन कुंड में आचार्य एवं पुरोहितों द्वारा विधि-विधान के साथ हवन सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मां नर्मदा उद्गम मंदिर में भी श्रद्धालु दर्शन-पूजन कर मां भगवती की आराधना में लीन हैं। पवित्र नगरी अमरकंटक में नवरात्रि के चलते धार्मिक आस्था और भक्ति का वातावरण बना हुआ है।